समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

संसद सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी का विपक्ष पर तंज, बोले- “मै 56 साल के युवा की नहीं, 28 साल के युवाओं की बात कर रहा हूं”

Sanket Morankar

Published on 20 Jul 2026

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री **श्री नरेंद्र मोदी** ने भारत के पहले निजी रूप से विकसित ऑर्बिटल रॉकेट **‘विक्रम-1’** की ऐतिहासिक सफलता का उल्लेख करते हुए देश के युवाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर परोक्ष राजनीतिक टिप्पणी करते हुए कहा कि यह उपलब्धि **28 वर्ष की औसत आयु** वाले युवाओं की टीम ने हासिल की है, न कि किसी **“56 साल के युवा”** ने।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा है। उन्होंने **हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस** की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी औसत आयु केवल 28 वर्ष है और यही युवा भारत को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा, **“मै 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं।”** राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इसे लोकसभा में विपक्ष के नेता **राहुल गांधी** पर परोक्ष टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है, जिनकी उम्र हाल ही में 56 वर्ष हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि **विक्रम-1** का सफल प्रक्षेपण भारत की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और नवाचार की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय युवाओं की प्रतिभा, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम है तथा इससे वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि आज भारत के युवा अंतरिक्ष, विज्ञान, स्टार्टअप और नवाचार जैसे क्षेत्रों में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। ऐसे प्रयास देश में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने तथा उन्हें साकार करने की प्रेरणा देते हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि पिछले वर्ष मानसून सत्र से पहले एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन

(ISS) पहुंचे थे, जबकि इस वर्ष भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट **विक्रम-1** ने सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने इसे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी के नए युग की शुरुआत बताया।

मानसून सत्र के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों से तथ्य, तर्क और सकारात्मक सोच के साथ चर्चा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार देश में अच्छी वर्षा किसानों और अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक होती है, उसी प्रकार संसद का मानसून सत्र भी राष्ट्रहित में सार्थक, सकारात्मक और परिणामदायी सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। विशेष रूप से "**56 साल के युवा**" वाली टिप्पणी को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, **विक्रम-1** की सफलता ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम, निजी क्षेत्र की वैज्ञानिक क्षमता और युवा नवाचार को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.